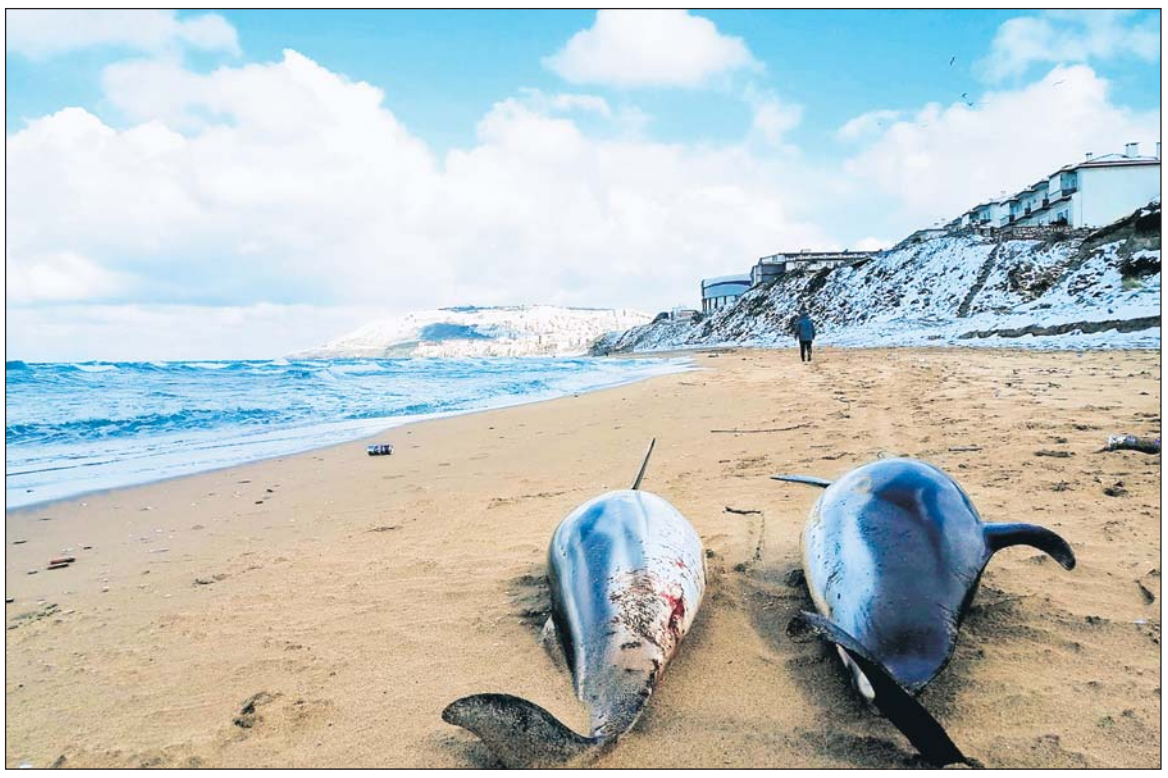

*वैज्ञानिकों का कहना है कि हाल ही में ब्लैक सी में डॉल्फिन्स की मौतों में जो बढ़ोतरी हुई है उसका कारण यूक्रेन में चल रहा युद्ध हो सकता है। शोधकर्ताओं का मानना है कि, नॉर्थ ब्लैक सी में 20 रुसी नौसैनिक जलयानों तथा यूक्रेन में चल रही सैन्य गतिविधियों की वजह से ध्वनि प्रदूषण बहुत अधिक है, जिसके कारण डॉल्फिन्स टर्की तथा बुल्गारिया के समुद्र तटों की ओर जा रही हैं। यहां पहुंचने पर या तो ये असहाय हो जाती हैं या फिर फिशिंग नैट्स में फंस जाती हैं। युद्ध की शुरुआत से, टर्की के ब्लैक सी तट पर कॉमन डॉल्फिन (डैल्फाइनस डैल्फस) फंसने की संख्या में वृद्धि हुई है। टर्की के वैस्टर्न ब्लैक सी कोस्ट पर 80 से अधिक डॉल्फिन मृत पाई गईं। टर्किश मरीन रिसर्च फाउण्डेशन ने इसे "असाधारण वृद्धि" बताया है। फाउन्डेशन द्वारा की गई जाँच में पाया गया कि इनमें से आधी डॉल्फिन्स की मृत्यु मछली पकड़ने वाले जालों में फँस जाने के बाद हुई। फाउन्डेशन के चेयरपर्सन डॉ. बेराम ओज़तुर्क के अनुसार, शेष डॉलफिन की मृत्यु अभी भी एक "अनुत्तरित प्रश्न है, क्योंकि इनके शवों पर फँसाये जाने या गोली मारे जाने के जख्म नहीं पाये गये हैं।" ओज़तुर्क कहते हैं कि, तेज शोर एक संभावना हो सकती है डॉल्फिन्स की मृत्यु की। उन्होंने कहा कि "ब्लैक सी में हमने कभी इतने सारे जहाज और इतने लम्बे समय तक इतना शोर नहीं देखा था पर विज्ञान को प्रमाण चाहिए। हमारे पास प्रमाण नहीं हैं कि कितनी आवृत्ति वाला सोनार ब्लैक सी में है। सोनार, अर्थात साउण्ड नैविगेशन एण्ड रेंजिंग (एस.ओ.एन.ए.आर.) एक टैक्नीक है जिसका इस्तेमाल नौसेनाएं दुश्मन की पनडुब्बियों का दूर से ही पता लगाने के लिए करती हैं। चूंकि समुद्री जीव संचार व अन्य कार्यों के लिए ध्वनियों पर निर्भर करते हैं इसलिए अण्डर वॉटर शोर उन पर गंभीर प्रभाव डालता है। यूक्रेन की नैशनल अकैडमी ऑफ साईन्सेज़ के वैज्ञानिक डॉ. पावेल गोल्डिन कहते हैं कि, स्थायी अण्डरवॉटर शोर से जानवरों की मौत भले ही ना हो पर इससे गंभीर अव्यवस्था फैल सकती है, जो उन्हें नुकसान पहुंचा सकती है। उदाहरण के लिए डॉल्फिन्स व अन्य प्रजातियां अनजाने क्षेत्रों की ओर जा सकती हैं। बुल्गारिया के कंज़र्वेशन संगठन, ग्रीन बाल्कन्स के प्रोजैक्ट मैनेजर दिमितर पोपोव ने भी बुल्गारिया के समुद्र तट पर यह प्रवृति देखी, खासकर ब्लैक सी हारबर पॉरपस (समुद्री जीव) में। वैज्ञानिकों ने चिंता जताई कि "युद्ध में समुद्री जीवों की सुरक्षा का कोई प्रोटोकॉल नहीं है। यहाँ दर्जनों जहाज हैं और हमें नहीं पता कि वे कब तक सोनार तकनीक इस्तेमाल करेंगे।"*

# राजस्थान की राज्यसभा सीटों के लिए बी.टी.पी.और आर.एल.पी. की भूमिका महत्वपूर्ण

## अब तक बी.टी.पी. सरकार के साथ थी लेकिन अब गुजरात में कांग्रेस के खिलाफ वह आप से गठबंधन कर चुकी है

जयपुर, 22 मई (का.प्र.)। राजस्थान में राज्यसभा की चार सीटें आगामी 4 जुलाई को रिक्त होने वाली हैं। इनके लिए चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है और 10 जून को राजस्थान की चारों राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होने जा रहा है। इन चारों सीटों पर अभी तक भाजपा काबिज थी, 2018 में विधानसभा चुनावों में बदली सत्ता के बाद अब इन चार में से दो सीटों पर कांग्रेस काबिज होने वाली है। एक सीट भाजपा की मानी जा रही है, लेकिन चौथी सीट का गणित उलझ सकता है, क्योंकि भाजपा दो उम्मीदवार उतार सकती है। ऐसे में खेल रोचक हो जाएगा।

- **इधर आर.एल.पी. अब तक भाजपा के साथ थी लेकिन वह भी गठबंधन को छोड़ चुकी है।**
- **दो सीटों पर कांग्रेस, एक पर भाजपा होगी काबिज, चौथी सीट पर दोनों के पास अतिरिक्त वोट, लेकिन जीत के लिए जुगाड़ करना होगा।**

राजस्थान की चार में से एक सीट जीतने के लिए प्रथम वरीयता के 41 वोट चाहिए। इस लिहाज से कांगेस की दो सीटें साफ नजर आ रही हैं। एक सीट भाजपा के खाते में जाएगी, वहीं तीसरी सीट पर कांग्रेस अपने सहयोगी दल और निर्दलीय विधायकों के जरिए जीत दर्ज करने की जुगत में है। जो सीटें खाली होने वाली हैं, उन पर भाजपा के ओम प्रकाश माथुर, के.जे. अल्फोंस, रामकुमार वर्मा, हर्षवर्धन सिंह डूंगरपुर निर्वाचित हुए थे।

प्रदेश में 2018 के सत्ता परिवर्तन होने से पहले राजस्थान की सभी दस की दस सीटें भाजपा के पास थीं। लेकिन सत्ता बदलने के बाद तीन सीटें कांग्रेस के खाते में आ गई। अब इन चुनावों के बाद कांग्रेस की राज्यसभा सीटों की संख्या में इजाफा होगा।

असल में राज्य सभा चुनाव अनुपातिक पद्धति के मुताबिक इस बार चार सीटें रिक्त हैं। इस लिहाज से हर एक प्रत्याशी को जीत के लिए प्रथम वरीयता के 41 वोट चाहिए। असल में राज्यसभा के चुनाव में विधायक हिस्सा लेते हैं।

राज्यसभा के चुनाव फॉर्मूले में विधायकों की कुल संख्या में राज्यसभा की रिक्त सीटों की संख्या और फिर एक जोड़ दिया जाता है। राजस्थान में 200 विधायक हैं इसमें चार रिक्त सीट प्लस एक का भाग दिया जाएगा। इस तरह से यह संख्या 40 आती है जिसमें एक जोड़ा जाता है। इस तरह से 41 वोट चाहिए।

वर्तमान में कांग्रेस के पास खुद के 108 सीटे होने के कारण दो सीटे जीतने के लिए प्रयाप्त 82 वोट हैं। तीसरी सीट के लिए पार्टी के पास 26 वोट बचते हैं। ऐसे में तीसरी सीट जीतने के लिए कांग्रेस के पास 15 वोटों की कमी रहने वाली है। इनमे 13 निर्दलीय हैं, तो राष्ट्रीय लोकदल का एक विधायक सरकार के साथ में है। वहीं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मा.) सरकार के साथ रहेगी, लेकिन अब तक सरकार के साथ रहने वाली बी.टी.पी. गुजरात में आम आदमी पार्टी से हाथ मिला चुकी है। ऐसे में देखना होगा कि क्या राज्य सभा चुनाव में बीटीपी राजस्थान में कांग्रेस के साथ आती है या नहीं। वही भाजपा के पास 71 विधायक हैं। इस लिहाज से एक सीट पर जीत दर्ज हो सकेगी। ऐसे में 1 सीट जीतने के बाद भाजपा के पास 30 वोट बचेंगे लेकिन। बाकी 10 वोट भाजपा कहां से ले पाएगी, यह बहुत मुश्किल सवाल है। क्योंकि अब तक भाजपा के साथ रही आर.एल.पी. भी गठबंधन छोड़ चुकी है। ऐसे में उसके तीन विधायकों के वोट काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

## सांसद अधीर रंजन का ट्विटर अकाउंट हैक

नई दिल्ली, 22 मई (वार्ता)। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने साउथ एवेन्यू पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है कि उनका ट्विटर अकाउंट को हैक किया गया है और उनकी छवि खराब करने के लिए आपत्तिजनक पोस्ट की जा रही है।

चौधरी ने आज दिल्ली पुलिस को लिखित शिकायत में कहा है कि वह एक राजनीतिक कार्यक्रम में गए थे और उनका मोबाइल उनके साथ नहीं था फिर भी उनके मोबाइल के माध्यम से उनके ट्विटर पर गलत तथ्य पोस्ट किये गए है।

- **अधीर रंजन चौधरी ने दिल्ली पुलिस को लिखित शिकायत में कहा है कि, वे एक राजनीतिक कार्यक्रम में गए थे और उनका मोबाइल उनके साथ नहीं था फिर भी उनके मोबाइल पर ट्विटर मैसेज आ रहे थे।**

उन्होंने इस मामले की साइबर अपराध शाखा से जांच कराने की मांग की है और अपराधियों को गिरफ्तार करने का पुलिस से आग्रह किया है।

इस बीच दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि उन्होंने चौधरी से कहा है कि जिस मोबाइल फोन से आपत्तिजनक पोस्ट उनके नाम से ट्विटर पर पोस्ट की गई है वह उस फोन को दिल्ली पुलिस को सौंप दें ताकि मामले की जांच आसान हो सके।

# देश में करोना के एक के बाद एक दो नये वैरिएंट मिले

## भारत में करोना के बी.ए-4 वैरिएंट के बाद अब बी.ए-5 वैरिएंट मिलने की जानकारी सामने आने के बाद चिंता बढ़ने की आशंका

मुंबई, 22 मई (वार्ता)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 मई को समाप्त सप्ताह में लगातार दसवें सप्ताह कम होता हुआ 2.7 अरब डॉलर घटकर 593.3 अरब डॉलर पर आ गया।

इससे पूर्व विदेशी मुद्रा भंडार 6 मई को समाप्त सप्ताह में 1.8 अरब डॉलर कम होकर 595.9 अरब डॉलर, 29 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 2.7 अरब डॉलर घटकर 597.7 अरब डॉलर, 22 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 3.3 अरब डॉलर लुढ़ककर 600.4 अरब डॉलर, 15 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 31.1 करोड़ डॉलर फिसलकर 603.7 अरब डॉलर, 8 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 2.5 अरब डॉलर गिरकर 604 अरब डॉलर, 1 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में रिकॉर्ड 11.2 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 606.5 अरब डॉलर पर आ गया।

इसी तरह 25 मार्च को समाप्त सप्ताह में दो अरब डॉलर कम होकर 617.6 अरब डॉलर, 18 मार्च को समाप्त सप्ताह में 2.6 अरब डॉलर घटकर 619.7 अरब डॉलर और 11 मार्च को समाप्त में 9.6 अरब डॉलर लुढ़ककर 622.3 अरब डॉलर रहा था।

- **तमिलनाडु की एक 19 साल की लड़की को कोरोना के बी.ए-4 वैरिएंट से संक्रमित पाया गया है। मरीज में हल्के लक्षण देखे गए और उसे कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज लग चुकी हैं।**
- **इसके अलावा करोना के बीए.5 वैरिएंट का भी एक मामला सामने आया है। यह केस तेलंगाना से आया है। बी.ए-5 से संक्रमित मरीज में भी हल्के लक्षण पाए गए हैं और उसे भी टीके की दोनों डोज लग चुकी है।**

रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 13 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.3 अरब डॉलर घटकर 529.5 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 1.2 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 40.6 अरब डॉलर रह गया।

आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एस.डी.आर.) 16.5 करोड़ डॉलर की कम होकर 18.2 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई.एम.एफ.) के पास आरक्षित निधि 3.9 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 4.9 अरब डॉलर रह गई।

## लगातार 10वें हफ्ते गिरा देश का विदेशी मुद्रा भण्डार

मुंबई, 22 मई (वार्ता)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 मई को समाप्त सप्ताह में लगातार दसवें सप्ताह कम होता हुआ 2.7 अरब डॉलर घटकर 593.3 अरब डॉलर पर आ गया।

इससे पूर्व विदेशी मुद्रा भंडार 6 मई को समाप्त सप्ताह में 1.8 अरब डॉलर कम होकर 595.9 अरब डॉलर, 29 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 2.7 अरब डॉलर घटकर 597.7 अरब डॉलर, 22 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 3.3 अरब डॉलर लुढ़ककर 600.4 अरब डॉलर, 15 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 31.1 करोड़ डॉलर फिसलकर 603.7 अरब डॉलर, 8 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 2.5 अरब डॉलर गिरकर 604 अरब डॉलर, 1 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में रिकॉर्ड 11.2 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 606.5 अरब डॉलर पर आ गया।

- **फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वैस्टर बड़ी संख्या में भारत से अपने निवेश की निकासी कर रहे हैं।**

# प्रदेश में 3 दिन बाद नए संक्रमितों की संख्या में फिर कमी आई

## राज्य में रविवार को 60 नए संक्रमित मिले, जबकि शनिवार को 80 रोगी सामने आए थे

**-कार्यालय संवाददाता-**

जयपुर, 22 मई । प्रदेश में तीन दिन की बढ़ोत्तरी के बाद नए करोना संक्रमितों की संख्या में रविवार को फिर थोड़ी कमी आई है। इस दौरान राज्य में 60 नए संक्रमित मिले हैं। हालाकि, इस बीच राज्य में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 480 हो गए हैं।

प्रदेश में रविवार को 12 जिलों में 60 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शनिवार को 80 रोगी पाए गए थे। इधर आज राजधानी जयपुर में भी थोड़ी गिरावट के बाद 28 नए मरीज मिले हैं। इसके अलावा बारां में 11, अलवर में 4, अजमेर व बीकानेर में 3-3, दौसा, जोधपुर, कोटा व नागौर में 2-2 तथा झालावाड़, सिरोही और उदयपुर में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

इस बीच 21 जिलों बांसवाड़ा, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चूरू, धौलपुर, डूंगरपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालोर, झुंझुनूं, करौली, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सीकर और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

प्रदेश में रविवार को भी नए करोना संक्रमितों के मुकाबले रिकवरी कम हुई है। इस बीच राज्य में 58 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही अब तक इस बीमारी से 12 लाख 75 हजार 139 लोग स्वस्थ्य हो चुके हैं। उधर राज्य में करोना संक्रमित 480 मरीजों का इलाज चल रहा है। इनमें 254 रोगी जयपुर जिले में है। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालाकि अब तक इस बीमारी से राज्य में 9554 लोगों मृत्यु हो चुकी है।

राजधानी जयपुर में रविवार को 16 स्थानों पर नए करोना संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 6 नए मरीज वैशाली नगर में पाए गए हैं। इसके अलावा जगतपुरा व सांगानेर में 3-3, बनीपार्क, मालवीय नगर व एम.आई. रोड पर 2-2 तथा आदर्श नगर, सी-स्कीम, चांदपोल, जवाहर नगर, झोटवाड़ा, खातीपुरा, मानसरोवर, प्रताप नगर और सोड़ाला में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

वहीं एक मरीज का पता सही नहीं मिला है। इस बीच जिले में 35 मरीज ठीक हुए हैं।

- **राजधानी जयपुर में भी थोड़ी गिरावट के बाद 28 नए संक्रमित मिले है।**
- **प्रदेश में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 480 हो गए हैं।**

## दलित युवक...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सुबह श्रीडूंगरगढ़ मार्ग पर सुबह 10 बजे एक युवक का शव पड़ा मिला था। जेब खंगालने पर मिले आधार कार्ड से मृतक की पहचान लखासर निवासी 34 वर्षीय कुशाल मेघवाल के रूप में हुई है। उसके परिजनों को सूचित करके बुलाया गया। जिसके बाद कुशाल की पुष्टि हो गई। पुलिस का मानना है कि सुबह शव फेंकने से पहले उसकी हत्या कहीं ओर की गई थी। बाद में शव बीच सड़क पर फेंक दिया गया। बीकानेर से पहुंची एफ.एस.एल. की टीम ने शव के आसपास पड़े सामान को कब्जे में लिया। उसके शरीर पर लगी चोट का भी मुआयना किया। शव को श्रीडूंगरगढ़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। उधर, मृतक की मौत के बाद से क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश है। मृतक के परिजन हत्यारों की गिरफ्तारी तक पोस्टमार्टम नहीं करवाने पर अड़े हुए थे बाद में समझाईश के बाद पोस्टमार्टम सहमत हुए।

श्रीडूंगरगढ़ थानाधिकारी वेदपाल ने कहा है कि मृतक के प्राइवेट पार्ट पर त्वचा झुलसने के कारण कट लगा हुआ है। प्राइवेट पार्ट कटा नहीं है डॉक्टर्स ने भी अपनी पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इस आशय की रिपोर्ट दी है।

मामले की जांच शुरू कर दी गई है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

## मुफ्त एनिमल...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

इस सेवा पर 60 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार और 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि इस सेवा के लिय टोल फ्री नंबर होगा और एंबुलेंस जी.पी.एस. प्रणाली से जुड़ा होगा।

# राजस्थान राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस का साथ देगी माकपा

नई दिल्ली, 22 मई। राजस्थान की 4 राज्यसभा सीटों पर 10 जून को चुनाव होने है। माकपा के पूर्व महासचिव प्रकाश करात ने संकेत दिया है कि राज्यसभा चुनाव मे उनकी पार्टी कांग्रेस प्रत्याशी का समर्थन करेगी। राजस्थान में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के 2 विधायक है।

राजधानी जयपुर में मीडिया से बात करते हुए प्रकाश कारात ने कहा कि उनकी पार्टी की कोशिश रहेगी कि भाजपा का कोई प्रत्याशी न जीते, लेकिन कांग्रेस से भी हमारा कोई गठबंधन नहीं है। करात ने साफ कहा कि राज्यसभा चुनाव में बीजेपी का प्रत्याशी न जीते इसके लिए जो भी कुछ हो सकेगा उसका प्रयास उनकी पार्टी करेगी।

- **अब भाजपा काफी हद तक निर्दलीय विधायकों पर निर्भर रह गई है, दूसरी राज्यसभा सीट पर जीत के लिए।**

प्रकाश करात के बयान से साफ है कि भाजपा प्रत्याशी को हराने की बात आएगी तो राजस्थान में माकपा कांग्रेस को भी समर्थन देगी।

राजस्थान विधानसभा में संख्या बल कांग्रेस के पक्ष में है। कांग्रेस के पास 108 विधायक, भाजपा के पास 71, निर्दलीय 13, आर.एल.पी. 3, बी.टी.पी. 2, माकपा 2 और आर.एल.डी. के पास एक विधायक है। संभावना है कि मौजूदा संख्या बल के हिसाब से कांग्रेस 4 में 3 राज्यसभा की सीट आसानी से जीत जाएगी।

माना जा रहा है कि बीजेपी 4 में से 2 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। पार्टी कम से कम 2 सीटों पर अपना प्रत्याशी खड़ा कर कांग्रेस को चुनौती देगी।

## 80 लाख ...

**( प्रथम पृष्ठ का शेष )**

कट्टों को हटाकर नीचे देखा गया तो वहां भारी मात्रा में डोडा पोस्त भरा हुआ था। वजन कराने पर 2508 किलो डोडा-पोस्त भरा हुआ मिला। डोडा-पोस्त व ट्रक को जब्त कर लिया गया है। वहीं मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

नागौर सी.ओ. विनोद कुमार सीपा ने बताया कि प्रारम्भिक जांच पड़ताल में पता चला है कि ट्रक मालिक जोधपुर का है। मामले में पुलिस टीमें लगाकर पूरे खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है।

ये कार्रवाई पिछले 10 सालों में नशा तस्करी के खिलाफ की गई नागौर पुलिस की सबसे बड़ी कार्रवाई है।

# बंगाल में भाजपा सांसद अर्जुन सिंह तृणमूल में शामिल हुये

कोलकाता, 22 मई। पश्चिम बंगाल में भाजपा को तगड़ा झटका लगा है। बैरकपुर से सांसद अर्जुन सिंह रविवार को घरवापसी करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अगुवाई वाली तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए। टी.एम.सी. के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता में उन्हें पार्टी जॉइन कराई।

अब तक बीते 11 महीनों में पांच सांसद तृणमूल छोड़कर भाजपा में शामिल हो चुके हैं। बंगाल के बैरकपुर से बीजेपी सांसद अर्जुन सिंह के हालिया ट्वीट्स ने ही उन अटकलों को जन्म दे दिया था कि वह पार्टी से असंतुष्ट चल रहे हैं। अर्जुन सिंह ने हाल ही में पार्टी में सीनियर पद रहने के बाद भी ठीक से काम नहीं करने देने के लिए पश्चिम बंगाल की बीजेपी नेतृत्व की आलोचना की थी। अर्जुन सिंह साल 2001 में टी.एम.सी. से विधायक बनकर विधानसभा पहुंचे। इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में वो बीजेपी में शामिल हो गए। पार्टी ने बैरकपुर से टिकट दिया और वो सांसद बन गए। करीब तीन साल बाद वो एक बार फिर अपनी पुरानी पार्टी में चले गए हैं। अर्जुन सिंह के राजनीति जीवन की शुरुआत कांग्रेस पार्टी के साथ हुई थी।

- **बीते 11 महीनों में 5 सांसद भाजपा छोड़ चुके हैं।**
- **अर्जुन सिंह साल 2001 में टीएमसी से विधायक बनकर विधानसभा पहुंचे। इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में वो बीजेपी में शामिल हो गए।**
- **एक तरह से अर्जुन सिंह ने भी "घरवापसी" की है।**

# 'केन्द्र सरकार 15 रु. बढ़ाती है तो 9 रु. कम करती है'

## शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि, पैट्रोल-डीजल के दाम में कटौती के नाम पर जनता की आंखों में धूल झोंक रही है केन्द्र सरकार

नई दिल्ली, 22 मई। केंद्र सरकार ने बीते दिन एक बार फिर पैट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती की है। इसके बाद राजस्थान और केरल राज्य ने पैट्रोल--डीजल पर वैट घटाया है। वहीं, महाराष्ट्र में तेल की कीमतों में वैट घटाने को लेकर शिवसेना सांसद संजय राउत ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने अभी तक महाराष्ट्र की जी.एस.टी. की रकम लौटाई नहीं है, अगर वह रकम लौटा दे तो हम भी इस संबंध में कुछ करेंगे।

उन्होंने कहा कि हमारे हजारों करोड़ रुपये केंद्र सरकार के ऊपर बकाया हैं। वहीं, उन्होंने यह भी कहा, "पैट्रोल और डीजल की कीमतों को कम करने का फैसला मुख्यमंत्री लेंगे, लेकिन केंद्र सरकार पहले 15 रुपये बढ़ाती है और फिर बाद में 9 रुपये कम करती है। तेल की कीमतों को कम करने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की ही है।"

वहीं, राउत ने दाउद को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, "40 साल से कितनी सरकार केंद्र में आई और चली गई, सबके मुंह में एक ही नाम है दाऊद। केंद्र सरकार को मालूम है कि दाऊद कहां, किस स्थिति में है, तो पाकिस्तान जाइए और उसे पकड़ कर मुंबई लाइए। वो मुंबई बॉम्ब ब्लास्ट का सबसे बड़ा गुनहगार है।"

उन्होंने कहा, " जिस तरह से अमेरिका ने लादेन को मारा था। उसी तरह से मोदी सरकार को भी दाऊद को पकड़ कर लाना चाहिए। सिर्फ दाऊद- दाऊद करते रहने से कुछ नहीं होगा। संजय राउत ने केंद्र पर यह हमला पत्रकारों के नवाब मलिक और दाऊद इब्राहिम के संबंध में सवाल पर किया।

वहीं, केंद्र की ओर से तेल की कीमतों में राहत देने पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने राज्यों को तेल पर वैट कम करने की सलाह दी। उन्होंने ट्वीट किया," काफी समय बाद अब केंद्र ने देश में हर तरफ बढ़ती महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी व तनाव आदि की मार से त्रस्त बदहाल जीवन जीने को मजबूर लोगों को पैट्रोल-डीजल के शुल्क में थोड़ी राहत दी है, अब यू.पी. व अन्य राज्यों की जिम्मेदारी बनती है कि वे केंद्र की बात मानकर इन पर तत्काल वैट कम करें।

एक अन्य ट्वीट में उन्होंने लिखा, "इसी प्रकार, अब समय आ गया है कि केंद्र व राज्य सरकारें, राजनीतिक स्वार्थ व आपसी नफा-नुकसान को त्यागते हुए, साथ मिलकर दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही इन राष्ट्रीय समस्याओं पर समुचित ध्यान दें, ताकि यहां आम जनजीवन सामान्य हो सके।" कांग्रेस ने कहा है कि सरकार पैट्रोल, डीजल व रसोई गैस के दाम लगातार बढ़ाकर लाभ कमा रही है और अब दाम घटाकर लोगों की आंख में धूल झोंकने का काम कर रही है। कांग्रेस प्रवक्ता गौरव बल्लव ने रविवार को यहां पार्टी मुख्यालय में विशेष संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार पैट्रोल और डीजल के दाम घटाकर जनता को धोखा देने का काम किया है। सच यह है कि सरकार कीमतें कम करके भी जनता से दोगुना से ज्यादा पैसा वसूल कर रही है और कीमतें घटाने का छलावा किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पैट्रोल पर सरकार ने आठ रुपये और डीजल पर छह रुपए प्रति लीटर की कटौती कर अपने लाभ को दोगुना से कम नहीं होने दिया। उनका कहना था कि यह ठीक उसी तरह की नीति है जैसे कुछ दुकानों पर सेल पर बेची जाने वाली वस्तुओं की कीमत दोगुना करके 50 प्रतिशत कम पर बेचने की बात कर छूट के नाम पर लूट की जाती है।

प्रवक्ता ने कहा कि पेट्रोल डीजल रसोई गैस जिस दाम पर 2014 में थे आज उनकी कीमत लगभग दोगुना है। पिछले 60 दिन से पैट्रोल डीजल पर लगातार बढ़ोतरी की गई है और अब आठ और छह रुपये घटा कर जनता की आंख में धूल झोंकने का काम हुआ है जबकि सरकार इस छूट के बावजूद अब भी पैट्रोल डीजल पर दोगुना लाभ अर्जित कर रही है।

राष्ट्रदूत ( एचयूएफ ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू ( राज. ) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600